हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा हिंदी पखवाड़े का आयोजन

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा दिनांक 14 से 28 सितम्बर 2017 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस आयोजन के दौरान राजभाषा हिंदी के प्रचार एवं प्रसार हेतु संस्थान द्वारा कंप्यूटर पर हिंदी टंकण, सुलेख, निबंध लेखन, नोटिंग-ड्राफ्टिंग तथा स्वरचित कविता पाठ, इत्यादि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि, **डॉ. कुलराज सिंह कपूर,** समूह समन्वयक अनुसंधान, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि हिन्दी संवैधानिक रूप से भारत की प्रथम राजभाषा है, और इसके साथ यह देश की सबसे अधिक बोली और समझी जाती है । उन्होंने कहा कि भारत एक बहुभाषी राष्ट्र है लेकिन उसकी अपनी एक राष्ट्रभाषा है जो कि "हिंदी" है । अपने संबोधन में उन्होंने यह भी बताया कि 14 सितंबर 1949 को हिन्दी भाषा भारत की राष्ट्रभाषा घोषित की गई और 26 जनवरी 1950 को भारत का अपना संविधान बना तथा हिन्दी को राजभाषा का दर्जा दिया गया और उन्होंने यह माना कि धीरे-धीरे हिंदी अंग्रेजी का स्थान ले

लेगी ।उन्होंने आगे कहा कि यद्यपि हमारी राजभाषा हिन्दी है, फिर भी हम वार्तालाप करते समय अक्सर अंग्रेजी के शब्दों का प्रयोग करते हैं, भले ही वह अशुद्ध अंग्रेजी हो । हम सरकारी कार्यालय या जहां भी कार्य करते हैं, हमें हिन्दी में कार्य करने पर बल देना चाहिए। हम सभी को मिलकर इस मानसिकता का परित्याग करना चाहिए और हिन्दी का प्रयोग करने में गर्व अनुभव करना चाहिए । डॉ. कपूर ने यह भी कहा कि किसी भी स्वाधीन देश के लिए , जो महत्व उसके राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का है, वही उसकी राजभाषा का है। प्रजातांत्रिक देश में जनता और सरकार के बीच भाषा की दीवार नहीं होनी चाहिए और शासन का काम जनता की भाषा में किया जाना चाहिए। जब तक विदेशी भाषा में शासन होता रहेगा , तब तक कोई देश सही अर्थों में स्वतंत्र नहीं कहा जा सकता। प्रत्येक व्यक्ति अपनी भाषा में ही स्पष्टता और सरलता से अपने विचारों को अभिव्यक्त कर सकता है ।

श्री **दिनेश धीमान** ने समापन समारोह के कार्यक्रम का संचालन किया तथा उन्होंने राजभाषा अधिनियम तथा इससे सम्बंधित नियमों तथा संस्थान में राजभाषा की वर्तमान स्थिति तथा प्रगति के बारे में विस्तृत जानकारी दी । राजभाषा के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि राजभाषा देश के भिन्न-भिन्न भागों को एक सूत्र में पि रोने का कार्य करती है इसके माध्यम से जनता न केवल अपने देश की नीतियों और प्रशासन को भलीभांति समझ सकती है , बल्कि उसमें स्वयं भी भाग ले सकती है। प्रजातंत्र की सफलता के लिए ऐसी व्यवस्था अत्यंत आवश्यक है। विश्व के सभी स्वतंत्र देश और नवोदित राष्ट्रों ने इस तथ्य को स्वीकार किया है कि उनका उत्थान , उनकी अपनी भाषाओं के माध्यम से ही सम्भव है। भारतीय संविधान सभा इस तथ्य से पूर्णतयः परिचित थी , इसलिए यद्यपि अंग्रेज़ी के समर्थकों ने उसकी अंतर्राष्ट्रीय ख्याति और समृद्धि की बड़ी वकालत की , फिर भी राष्ट्रीय नेताओं ने देश के बहुसंख्यक वर्ग द्वारा बोली जाने वाली और देश के अधिकांश भाग में समझी जाने वाली भाषा हिन्दी को ही भारत संघ की राजभाषा बनाया ।

संस्थान द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं के परिणाम

प्रतियोगिता का नाम	प्रतियोगी का नाम	स्थान	निर्णायक
कंप्यूटर पर हिंदी टंकण	श्री रोहित कुमार, अवर श्रेणी लिपिक श्री गुलेर सिंह, अवर श्रेणी लिपिक श्री कृष्ण देव, , अवर श्रेणी लिपिक	प्रथम	श्री राजिंदर शर्मा, निजी सचिव श्री राकेश कुमार, सहायक
सुलेख	श्री बलदेव, परियोजना सहायक श्री श्रीमती सोनिका शर्मा, तकनीशियन श्री कुमारी शबनम, परियोजना सहायक	प्रथम द्वितीय तृतीय	डॉ. अश्वनी तप्वाल, वैज्ञानिक डॉ. जोगिन्दर चौहान, अनुसंधान अधिकारी
निबंध लेखन	श्री प्रवीण कुमार, अवर श्रेणी लिपिक श्री कुलवंत राय गुलशन, तकनीशियन श्री कृष्ण देव, अवर श्रेणी लिपिक	प्रथम द्वितीय तृतीय	श्री सत्य प्रकाश नेगी, अरण्यपाल श्री दुष्यंत कुमार, तकनीकी अधिकारी
नोटिंग-ड्राफ्टिंग	श्री कृष्ण देव, अवर श्रेणी लिपिक श्री प्रवीण कुमार, अवर श्रेणी लिपिक श्री रोहित कुमार, अवर श्रेणी लिपिक	प्रथम द्वितीय तृतीय	श्री राजिंदर शर्मा, निजी सचिव श्रीमती सुमन कौशल, अनुभाग अधिकारी
कविता पाठ	श्री दुष्यंत कुमार, तकनीकी अधिकारी श्री कुमारी शबनम, परियोजना सहायक श्री अजय कटोच, परियोजना सहायक	प्रथम द्वितीय तृतीय	डॉ. संदीप शर्मा, वैज्ञानिक डॉ. स्वर्ण लता, वैज्ञानिक

हिंदी पखवाड़े की झलकियाँ

सुलेख

निबंध-लेखन

नोटिंग-ड्राफ्टिंग

कविता-पाठ

पुरस्कार वितरण

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान,
परववाड़ा
सितम्बर, 2017

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला
परववाड़ा
28 सितम्बर, 2017

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला
परववाड़ा
सितम्बर, 20

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला
परववाड़ा
सितम्बर, 2017

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला
परववा
सितम्बर, 20

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला
परववाड़ा
28 सितम्बर, 2017

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान,
परववाड़ा
28 सितम्बर, 2017

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला
हिंदी
सितम्बर,

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान,
परववाड़ा
28 सितम्बर, 2017

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान,
28 सितम्बर, 2017

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला
हिंदी
14 से 28

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला
हिंदी
14 से 28

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला
हिंदी परववाड़ा
14 से 28 सितम्बर, 2017

मीडिया कवरेज

हिंदी टंकण प्रतियोगिता में रोहित प्रथम

शिमला। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला की ओर से 14 से 28 सितंबर तक हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। राजभाषा हिंदी के प्रचार और प्रसार के लिए संस्थान की ओर से कंप्यूटर पर हिंदी टंकण, सुलेख, निबंध लेखन, नोटिंग ड्राफ्टिंग तथा स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिताएं करवाई गईं। कंप्यूटर पर हिंदी टंकण में रोहित कुमार ने प्रथम, गुलेर सिंह ने द्वितीय, कृष्ण देव ने तृतीय, सुलेख में बलदेव ने प्रथम, सोनिका शर्मा द्वितीय, कुमारी शबनम तृतीय, निबंध लेखन में प्रवीण कुमार प्रथम, कुलवंत राय गुलशन द्वितीय, कृष्ण देव तृतीय स्थान पर रहे। नोटिंग ड्राफ्टिंग में कृष्ण देव ने प्रथम, प्रवीण कुमार ने द्वितीय तथा रोहित कुमार में तृतीय स्थान प्राप्त किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि कुलराज सिंह कपूर ने विजेताओं को सम्मानित किया। ब्यूरो

हिंदी पखवाड़े की प्रतियोगिताओं में अव्वल रहे रोहित

एचएफआरआई ने 28 तक मनाया हिंदी पखवाड़ा

हिंदी रिपोर्टर | शिमला

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला की ओर से 14 से 28 सितंबर तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस मौके पर संस्थान की ओर से राजभाषा हिंदी के प्रचार एवं प्रसार के लिए कंप्यूटर पर हिंदी टंकण, सुलेख, निबंध लेखन, नोटिंग-ड्राफ्टिंग और स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस मौके पर समूह समन्वयक अनुसंधान डा कुलराज सिंह कपूर ने कहा कि हिंदी संवैधानिक रूप से भारत की प्रथम राजभाषा है, और इसके साथ यह देश कि सबसे अधिक बोली और समझी जाती है।

संस्थान की ओर से आयोजित प्रतियोगिताओं में कंप्यूटर पर हिंदी टंकण में रोहित कुमार ने पहले स्थान पर रहे। जबकि गुलेर सिंह ने दूसरा और कृष्ण देव ने तीसरा स्थान हासिल किया। सुलेख में बलदेव ने प्रथम, सोनिका शर्मा ने द्वितीय और कुमारी शबनम ने तीसरा स्थान हासिल किया। निबंध लेखन में प्रवीण कुमार ने पहला, कुलवंत राय गुलशन ने दूसरा, कृष्ण देव तीसरे स्थान पर रहे। नोटिंग-ड्राफ्टिंग में कृष्ण देव पहले, प्रवीण कुमार दूसरे और रोहित कुमार तीसरे स्थान पर रहे। कविता पाठ प्रतियोगिता में दुष्यंत कुमार ने पहला, कुमारी शबनम ने दूसरा और अजय कटोच ने तीसरा स्थान हासिल किया।

हिन्दी टंकण में रोहित अव्वल

शिमला, 29 सितम्बर (ब्यूरो): हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला द्वारा हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस दौरान राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए संस्थान द्वारा कम्प्यूटर पर हिन्दी टंकण, सुलेख, निबंध लेखन, नोटिंग-ड्राफ्टिंग तथा स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कम्प्यूटर पर हिन्दी टंकण में रोहित कुमार ने प्रथम, गुलेर सिंह ने द्वितीय और कृष्ण देव ने तृतीय स्थान हासिल किया। सुलेख प्रतियोगिता में बलदेव ने प्रथम, सोनिका शर्मा ने द्वितीय व कुमारी शबनम ने तृतीय, निबंध लेखन में प्रवीण कुमार ने प्रथम, कुलवंत राय गुलशन ने द्वितीय व कृष्ण देव ने तृतीय स्थान, नोटिंग-ड्राफ्टिंग में कृष्ण देव ने प्रथम, प्रवीण कुमार ने द्वितीय तथा रोहित कुमार ने तृतीय स्थान, कविता पाठ प्रतियोगिता में दुष्यंत कुमार ने प्रथम, कुमारी शबनम ने द्वितीय और अजय कटोच ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

पंजाब केसरी ई-पेपर Sat, 30 September 2017
epaper.punjabkesari.in//c/2258475

प्रतियोगिता — हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान ने हिंदी पखवाड़े का किया आयोजन

निबंध लेखन में प्रवीण कुमार प्रथम

हिमाचल दस्तक ब्यूरो। शिमला

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान ने हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया। शिमला स्थित कार्यालय में आयोजित प्रतियोगिता के दौरान कंप्यूटर पर हिंदी टाइपिंग में रोहित ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि गुलेर सिंह ने द्वितीय, कृष्ण देव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सुलेख में बलदेव ने प्रथम, सोनिका शर्मा ने द्वितीय और कुमारी शबनम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबंध लेखन में प्रवीण कुमार ने प्रथम, कुलवंत राय गुलशन ने द्वितीय और कृष्ण देव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। नोटिंग एंड ड्राफ्टिंग में कृष्ण देव ने प्रथम, प्रवीण कुमार ने द्वितीय तथा रोहित कुमार में तृतीय स्थान प्राप्त किया। हिंदी पखवाड़े का समापन वीरवार को हुआ। इस दौरान कविता पाठ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इसमें दुष्यंत कुमार ने प्रथम, कुमारी शबनम ने द्वितीय तथा अजय कटोच ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संस्थान के समूह समन्वयक डॉ. कुलराज सिंह कपूर ने विजेताओं को सम्मानित किया।

◆ हिंदी टाइपिंग में रोहित ने हासिल किया प्रथम स्थान

शिमला। समूह समन्वयक डॉ. कुलराज सिंह कपूर ने विजेताओं को सम्मानित किया।